महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
नैक द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त / Accredited with 'A' Grade by NAAC

# हिन्दी की संस्कृति का विशेष अध्ययन

## परियोजना कार्य निर्देश पुस्तिका

## एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम
## चतुर्थ सेमेस्टर
## पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक) विकल्प – II
## पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 24

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
पोस्ट – हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा – 442001 (महाराष्ट्र)

**हिन्दी की संस्कृति का विशेष अध्ययन** (परियोजना कार्य निर्देश पुस्तिका)

**प्रधान सम्पादक**

**प्रो० गिरीश्वर मिश्र**
**कुलपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा**

**सम्पादक**

**प्रो० अरबिन्द कुमार झा**
**निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा**

**पुरन्दरदास**
**अनुसंधान अधिकारी एवं पाठ्यक्रम संयोजक– एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम**
**दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा**

**सम्पादक मण्डल**

**प्रो० आनन्द वर्धन शर्मा**
**प्रतिकुलपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा**

**प्रो० कृष्ण कुमार सिंह**
**विभागाध्यक्ष, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग एवं अधिष्ठाता, साहित्य विद्यापीठ**
**महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा**

**प्रो० अरुण कुमार त्रिपाठी**
**प्रोफेसर एडजंक्ट, जनसंचार विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा**

**पुरन्दरदास**

**प्रकाशक**

**कुलसचिव, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा**
**पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा, महाराष्ट्र, पिन कोड : 442001**

**© सम्पादक**

**प्रथम संस्करण : सितंबर 2017**

**परियोजना कार्य परिकल्पना, संरचना एवं संयोजन**
**आवरण, रेखांकन, पेज डिज़ाइनिंग, कम्पोज़िंग ले-आउट एवं टंकण**

**पुरन्दरदास**

**कार्यालयीय सहयोग**

**श्री विनोद रमेशचंद्र वैद्य**
**सहायक कुलसचिव, दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा**

**आवरण पृष्ठ पर संयुत विश्वविद्यालय के वर्धा परिसर स्थित गांधी हिल स्थल का छायाचित्र इंटरनेट से साभार प्राप्त**

**http://hindivishwa.org/distance/contentdtl.aspx?category=3&cgid=77&csgid=65**


- यह परियोजना कार्य निर्देश पुस्तिका दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वरविद्यालय द्वारा संचालित एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम में प्रवेशित विद्यार्थियों के निर्देशनार्थ उपलब्ध करायी जाती है।
- इस कृति का कोई भी अंश लिखित अनुमति लिए बिना मिमियोग्राफ अथवा किसी अन्य साधन से पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है।
- परियोजना कार्य निर्देश पुस्तिका में विश्लेषित तथ्य एवं अभिव्यक्त विचार पाठ्यक्रम संयोजक के अध्ययन एवं ज्ञान पर आधारित हैं। सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक का उससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।
- इस निर्देश पुस्तिका को यथासम्भव त्रुटिहीन एवं अद्यतन रूप से प्रकाशित करने के सभी प्रयास किए गए हैं तथापि संयोगवश यदि इसमें कोई कमी अथवा त्रुटि रह गई हो तो उससे कारित क्षति अथवा संताप के लिए पाठ्यक्रम संयोजक, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक का कोई दायित्व नहीं होगा।
- किसी भी परिवाद के लिए न्यायिक क्षेत्र वर्धा, महाराष्ट्र ही होगा।

## पाठ्यचर्या विवरण

चतुर्थ सेमेस्टर
पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)
विकल्प – II
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 24
पाठ्यचर्या का शीर्षक : परियोजना कार्य – हिन्दी की संस्कृति का विशेष अध्ययन

अधिकतम अंक – 100 क्रेडिट – 4

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम के परियोजना कार्य के द्वितीय विकल्प के रूप में "हिन्दी की संस्कृति का विशेष अध्ययन" पाठ्यचर्या का समावेश किया गया है जिसका उद्देश्य हिन्दी की समवेत संस्कृति की स्थापना, विस्तार एवं प्रचार-प्रसार में सहायक विभिन्न प्रचार संस्थाओं / नाट्य-संस्थाओं, पत्र-पत्रिकाओं, साहित्यिक आन्दोलनों, पुस्तकालयों, साहित्यिक केन्द्रों तथा साहित्यिक कृतियों पर बनने वाले सिनेमा और टेलीविजन धारावाहिकों, प्रकाशकों आदि के विशेष योगदान को निरूपित करना है । प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य है कि एम.ए. स्तर का विद्यार्थी पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य तक ही सीमित न रहकर हिन्दी की विस्तृत संस्कृति से भी भली-भाँति परिचित हो सके । प्रस्तुत पाठ्यचर्या में परियोजना कार्य के अन्तर्गत विद्यार्थी से अपेक्षा की जाती है कि वह निर्धारित प्रत्येक खण्ड में से एक-एक (1-1) इकाई से सम्बद्ध विषय का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करे एवं प्रत्येक खण्ड से सम्बन्धित विषय का न्यूनतम दो हजार पाँच सौ (2500) शब्दों में परियोजना कार्य प्रस्तुत करे ।

### खण्ड – 1 : हिन्दी की संस्कृति : संस्थाएँ

श्रीवेंकटेश प्रेस, बम्बई; भारत जीवन प्रेस, काशी; नवलकिशोर प्रेस, लखनऊ; इंडियन प्रेस, इलाहाबाद; नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी एवं आरा; गंगा ग्रन्थागार, लखनऊ; हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद, पटना, गया; राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा; राजस्थान साहित्य अकादेमी, उदयपुर; असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी; महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पुणे; दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, चेन्नई; भारतीय भाषा परिषद्, कोलकाता; केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा; उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ; बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना; बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना; भारतीय हिन्दी परिषद्, इलाहाबाद आदि तथा हिन्दी क्षेत्र की प्रमुख नाट्य-संस्थाएँ

### खण्ड – 2 : हिन्दी की संस्कृति : पत्रिकाएँ

हिन्दी प्रदीप, आनन्द कादम्बिनी, ब्राह्मण, सरस्वती, प्रताप, मर्यादा, सुधा, माधुरी, मतवाला, विशाल भारत, प्रभा, चाँद, हंस, नई कहानियाँ, कल्पना, दिनमान, आलोचना, पूर्वग्रह, प्रतीक, धर्मयुग, साप्ताहिक हिन्दुस्तान, सारिका, नटरंग, पहल, वसुधा, रंग-प्रसंग, तद्भव, दलित अस्मिता, मगहर, लहर, वातायन, कहानी, साहित्यकार, नया साहित्य, कवि, कृति, नई कविता, इन्दु, नई धारा, ज्योत्स्ना, माध्यम, नया ज्ञानोदय, कथादेश, वागर्थ, परीकथा, पाखी, वर्तमान साहित्य आदि

खण्ड – 3 : हिन्दी की संस्कृति : आन्दोलन

ब्रजभाषा बनाम खड़ीबोली, खड़ीबोली का आन्दोलन, हिन्दी-उर्दू-हिन्दुस्तानी विवाद, प्रगतिशील आन्दोलन, परिमल, भारतीय नाट्य आन्दोलन, दलित लेखन, लघुपत्रिका आन्दोलन, हिन्दी की आभासी (वर्चुअल) दुनिया आदि

खण्ड – 4 : हिन्दी की संस्कृति और उसका प्रसार

1. पुस्तकालय : नागरी प्रचारिणी सभा, काशी का आर्यभाषा पुस्तकालय; काशीनरेश का पुस्तकालय, रामनगर; दतिया, टीकमगढ़, छतरपुर, रीवा के महाराजाओं के पुस्तकालय; नेशनल आर्काइव्स पुस्तकालय, पटियाला; गायकवाड ओरियंटल रिसर्च इंस्टिटयूट, बड़ोदरा; शिवसिंह सेंगर का पुस्तकालय; गोविन्द चतुर्वेदी, जवाहरलाल चतुर्वेदी मथुरा के पुस्तकालय; शूरवीर सिंह, अलीगढ़ का पुस्तकालय; भवानीसिंह याज्ञिक का पुस्तकालय; श्रीरामानन्द सरस्वती पुस्तकालय, जोकहरा, आजमगढ़ आदि
2. हिन्दी क्षेत्र के प्रमुख केन्द्र, यथा – कलकत्ता, पटना, बनारस, इलाहाबाद, दिल्ली, भोपाल आदि की साहित्यिक-सांस्कृतिक गतिविधियाँ
3. साहित्य का अन्य माध्यमों में रूपान्तरण : साहित्यिक कृतियों पर बनने वाली फ़िल्में / सिनेमा और टेलीविजन धारावाहिक, कहानियों और कविताओं का मंचन
4. प्रकाशक : मोतीलाल बनारसीदास, पटना; रामनारायणलाल बेनीमाधव, इलाहाबाद; इंडियन प्रेस प्रा. लि., इलाहाबाद; पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली; ज्ञानमण्डल प्रा. लि., वाराणसी; साहित्य भवन प्रा. लि., इलाहाबाद; सस्ता साहित्य मण्डल, नयी दिल्ली; नवजीवन प्रकाशन मन्दिर, अहमदाबाद; चौखम्भा विद्या भवन, वाराणसी, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद; किताब महल, इलाहाबाद; नेशनल बुक ट्रस्ट, नयी दिल्ली; प्रकाशन विभाग, नयी दिल्ली; भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली; साहित्य अकादेमी; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी; हिन्द पॉकेट बुक्स, नयी दिल्ली; राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली; राजपाल एंड संस, नयी दिल्ली; राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली; वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली आदि

सहायक पुस्तकें :

01. अलाव (पत्रिका), भाषा का सवाल और 'कल्पना', प्रदीप त्रिपाठी, दिल्ली, अंक : 41, जनवरी-अप्रैल, 2014
02. आज के अतीत, भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
03. आधुनिक हिन्दी के विकास में खड्गविलास प्रेस की भूमिका, धीरेन्द्रनाथ सिंह, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
04. उर्दू का आरंभिक युग, शम्सुर्रहमान फारूकी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
05. खड़ी बोली का आन्दोलन, शितिकंठ मिश्र, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी
06. खत्री-स्मारक ग्रंथ, सम्पादक : नलिनविलोचन शर्मा, शिवपूजन सहाय, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना

07. दस्तावेज़-146 (पत्रिका), 'कल्पना' पत्रिका का साहित्यिक योगदान, प्रदीप त्रिपाठी, गोरखपुर, जनवरी-मार्च, 2015
08. दक्षिण के हिन्दी प्रचार का समीक्षात्मक इतिहास, पी.के. केशवन नायर, हिन्दी साहित्य भंडार, लखनऊ
09. 'नया पथ' पत्रिका, अंक : जनवरी-जून, 2012, सम्पादक : मुरलीमनोहरप्रसाद सिंह, चंचल चौहान
10. नवजागरणकालीन पत्रकारिता और सारसुधानिधि, कर्मेन्दु शिशिर, अनामिका पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली
11. नागरीप्रचारिणी सभा : वार्षिक विवरण, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
12. प्रगतिशील आन्दोलन के इतिहास पुरुष, खगेन्द्र ठाकुर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
13. परिमल : स्मृतियाँ और दस्तावेज, केशवचंद्र वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
14. राष्ट्रभाषा पर विचार, चंद्रबली पाण्डेय, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
15. राष्ट्रीय जागरण और हिन्दी पत्रकारिता का आदिकाल, सुजाता राय, अनामिका पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली
16. रोशनाई, सज्जाद जहीर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
17. रंग दस्तावेज : सौ साल (दो खंड), सम्पादक : महेश आनन्द, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
18. सभापतियों के भाषण (तीन खंड), हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
19. समाचार-पत्रों का इतिहास, अंबिकाप्रसाद वाजपेयी, ज्ञानमंडल लि. वाराणसी
20. सरस्वती और राष्ट्रीय जागरण, हरप्रकाश गौड़, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
21. हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी, पद्मसिंह शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
22. हिन्दी की प्रचार संस्थाएँ : स्वरूप और इतिहास, अनीता ठक्कर, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा
23. हिन्दी की विकास यात्रा, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा का इतिहास, केशव प्रथमवीर, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा
24. हिन्दी पत्रकारिता, कृष्णबिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
25. हिन्दी साहित्य का मौखिक इतिहास (स्मृति संवाद), (चार खण्ड), शोध एवं सम्पादन : नीलाभ, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
26. हिन्दी साहित्य की समस्याएँ, सम्पादक : रघुवंश, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
27. हिन्दी साहित्य के विकास में सरस्वती का योगदान, बच्चू शुक्ल, विशाल पब्लिकेशन, पटना
28. हिन्दी साहित्य सम्मेलन का इतिहास, नरेश मेहता, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

---

उपयोगी इंटरनेट स्रोत :

1. http://epgp.inflibnet.ac.in/ahl.php?csrno=18
2. http://www.hindisamay.com/
3. http://hindinest.com/
4. http://www.dli.ernet.in/
5. http://www.archive.org

---

❖❖❖

पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक) विकल्प – II, MAHD – 24,
परियोजना कार्य – हिन्दी की संस्कृति का विशेष अध्ययन

## परियोजना कार्य निर्देश

**परियोजना कार्य का उद्देश्य :-**

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम के परियोजना कार्य के रूप में "हिन्दी की संस्कृति का विशेष अध्ययन" पाठ्यचर्या (MAHD – 24) का उद्देश्य है कि एम.ए. स्तर का विद्यार्थी पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य तक ही सीमित न रहकर हिन्दी की विस्तृत संस्कृति से भी भली-भाँति परिचित हो सकेA इसी को लक्ष्य कर हिन्दी की समवेत संस्कृति की स्थापना, विस्तार एवं प्रचार-प्रसार में सहायक विभिन्न प्रचार संस्थाओं/ नाट्य-संस्थाओं, पत्र-पत्रिकाओं, साहित्यिक आन्दोलनों, पुस्तकालयों, साहित्यिक केन्द्रों तथा साहित्यिक कृतियों पर बनने वाले सिनेमा और टेलीविजन धारावाहिकों, प्रकाशकों आदि के विशेष योगदान को उद्घाटित करने के लक्ष्य को दृष्टिगत रखते हुए परियोजना कार्य "हिन्दी की संस्कृति का विशेष अध्ययन" को पाठ्यचर्या में निर्धारित किया गया है। हिन्दी की समवेत संस्कृति की स्थापना में सहायक इन विभिन्न संस्थाओं के विशेष अध्ययन हेतु विद्यार्थी को प्रवृत्त करने में सम्बन्धित का सम्यक् अध्ययन और उनके विवेचन-विश्लेषण की प्रवृत्ति विकसित करने का उद्देश्य सन्निहित है। विद्यार्थियों को शोधपरक अध्ययन की ओर उन्मुख करना और उनमें अनुसंधान-प्रक्रिया के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न करना भी प्रस्तुत परियोजना कार्य का अन्तर्निहित लक्ष्य है ।

**परियोजना कार्य के विभिन्न चरण :-**

01. विषय-निर्वाचन : विद्यार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक-एक इकाई यानी सम्पूर्ण परियोजना कार्य के रूप में कुल चार (04) विषयों का चयन करना है। पाठ्यचर्या का प्रथम खण्ड हिन्दी की संस्कृति को समृध्द करने में सहायक साहित्यिक संस्थाओं से सम्बन्धित है। द्वितीय खण्ड हिन्दी की संस्कृति को समृध्द करने में सहायक पत्र-पत्रिकाओं से सम्बन्धित है। तृतीय खण्ड हिन्दी की संस्कृति की आधारभूमि को सुदृढ़ करने में सहायक साहित्यिक आन्दोलनों से सम्बन्धित है। चतुर्थ खण्ड हिन्दी की संस्कृति को व्यापकता प्रदान करने में सहायक पुस्तकालयों, साहित्यिक केन्द्रों तथा साहित्यिक कृतियों पर बनने वाले सिनेमा / धारावाहिकों, प्रकाशकों आदि से सम्बन्धित है। विद्यार्थी परियोजना कार्य हेतु निर्धारित प्रत्येक खण्ड में प्रस्तावित विषयों में से प्रत्येक खण्ड में से किसी एक (01) संस्था, किसी एक (01) पत्रिका, किसी एक (01) आंदोलन तथा किसी एक (01) पुस्तकालय/साहित्यिक केन्द्र/माध्यम/प्रकाशक का चयन करने हेतु स्वतन्त्र है। विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि वे ऐसे विषयों का चयन करें जिनके अध्ययन में उनकी रुचि हो तथा जिसके अपेक्षित संसाधन (पाठ्यसामग्री आदि) स्थानीय तौर पर उन्हें सहजता से सुलभ हो सकें। विषय का चयन पर्यवेक्षक/पाठ्यक्रम संयोजक से अनुमति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए।

02. परियोजना कार्य पर्यवेक्षक का निर्वाचन : विद्यार्थी परियोजना कार्य पर्यवेक्षक निर्वाचन सम्बन्धी जानकारियों हेतु दूर शिक्षा निदेशालय की वेबसाइट http://hindivishwa.org/distance/ पर सूचना पट्ट >>> परियोजना कार्य पर्यवेक्षक सम्बन्धित सूचनाओं का अवलोकन कर सकते हैं। अध्ययन केन्द्रों द्वारा पंजीकृत विद्यार्थी परियोजना कार्य निर्देशन हेतु अध्ययन केन्द्र पर सम्पर्क करें।

03. सामग्री-संकलन : विद्यार्थी से अपेक्षा की जाती है कि वह चयनित प्रचार-संस्थाओं ; पत्र-पत्रिकाओं ; साहित्यिक आन्दोलनों के साक्षी/आधिकारिक विदूषियों/विद्वानों; पुस्तकालयों; साहित्यिक केन्द्रों की गतिविधियों से जुड़े रहे पुरोधाओं अथवा उन साहित्यिक केन्द्रों के इतिहास को स्पष्ट करने वाले ग्रन्थों ; साहित्यिक कृतियों पर बनने वाले सिनेमा और टेलीविजन धारावाहिकों, प्रकाशकों आदि से सम्पर्क करे उनका निकटता से अध्ययन करे तथा सम्बध्द विषय का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करे। इस प्रक्रिया के अन्तर्गत विद्यार्थी द्वारा अनुभवजन्य अध्ययन, प्रश्नावली, अनुसूची, साक्षात्कार सूची इत्यादि प्रविधियों का प्रयोग करना अपेक्षित है। विद्यार्थी को सम्बन्धित कार्यालय/स्थानीय पुस्तकालय में जाकर अथवा सम्बन्धित व्यक्तियों से सम्पर्क कर महत्त्वपूर्ण तथ्य संकलित करने चाहिए। विद्यार्थी को चयनित विषय से सम्बन्धित अधिकाधिक सूचनाएँ तथा जानकारियाँ एकत्रित करनी चाहिए। विद्यार्थी को सुझायी गई सम्बन्धित सहायक पुस्तकों के अध्ययन के साथ ही उपयोगी वेबसाइट्स का भी ध्यानपूर्वक अवलोकन करना चाहिए।

04. तथ्य-विश्लेषण : सामग्री-संकलन के उपरान्त उसकी संवीक्षा करना परियोजना कार्य का एक महत्त्वपूर्ण चरण है। चूँकि प्रत्येक विषय के कथ्य को विवेचित-विश्लेषित करने हेतु मात्र दो हजार पाँच सौ (2500) शब्दों की सीमा निर्धारित की गयी है अत: संकलित-सामग्री में से अनावश्यक सूचनाओं को हटा कर केवल महत्त्वपूर्ण जानकारियों के आधार पर ही रिपोर्ट तैयार करनी चाहिए। संगृहीत तथ्यों के विश्लेषण उपरान्त विद्यार्थी को चयनित विषय से सम्बन्धित प्राप्त सूचनाओं को क्रमबद्ध रूप में प्रस्तुत करना होता है। विद्यार्थी से अपेक्षा की जाती है कि वे महत्त्वपूर्ण एवं आवश्यक जानकारियों के आधार पर ही सम्बन्धित विषय की तथ्यपरक परियोजना कार्य रिपोर्ट तैयार करेंगे।

05. परियोजना कार्य रिपोर्ट लेखन : किसी भी परियोजना कार्य का परिणाम एक रिपोर्ट के रूप में सामने आता है। विद्यार्थियों को विभिन्न प्रविधियों द्वारा प्राप्त तथ्यों एवं निष्पत्तियों को पर्याप्त विस्तार के साथ विवेचित-विश्लेषित करना चाहिए। आवश्यकता होने पर तालिका/ग्राफ आदि के द्वारा भी उनकी प्रस्तुति की जा सकती है। विद्यार्थियों को यह स्मरण रखना चाहिए कि एक आदर्श परियोजना कार्य में सूचना-संग्रहण एवं स्वाध्यायपरक विवेचन-विश्लेषण दोनों का उचित संयोजन होना चाहिए अतः परियोजना कार्य रिपोर्ट में तथ्यों की जानकारी आवश्यकतानुसार ही दें। अनावश्यक तथ्यों एवं सूचनाओं का प्रस्तुतीकरण परियोजना कार्य के प्रभाव को कम करता है।

06. परियोजना कार्य विद्यार्थी द्वारा स्वयं की हस्तलिपि में सम्पन्न किया जाना है। परियोजना कार्य रिपोर्ट की अन्तिम प्रति स्वच्छ, स्पष्ट, पठनीय अक्षरों में लिखित, वर्तनी सम्बन्धी दोषों से रहित, प्रारूपबद्ध और बिना काट-छाँट किए तथा भली प्रकार नत्थी/स्पाइरल बाइंडिंग की गई हो। आवश्यकता प्रतीत होने पर मुख्य बिन्दुओं को रेखांकित किया जा सकता है। परियोजना कार्य में केवल नीले अथवा काले रंग की

स्याही वाले पेन अथवा बॉलपेन का ही प्रयोग कीजिए। परियोजना कार्य में प्रत्येक नए अध्याय का प्रारम्भ नए पृष्ठ से कीजिए। परियोजना कार्य रिपोर्ट हेतु A–4 साइज़ के कागज़ों का प्रयोग करें। कार्य सम्पन्नोपरान्त सभी कागज़ों को भली प्रकार नत्थी कर लीजिए। विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि अपनी परियोजना कार्य रिपोर्ट की सुरक्षित प्रस्तुति हेतु वे समस्त कागज़ों को स्पाइरल बाइंडिंग करा लें। विद्यार्थी अपनी सुविधानुसार गुणवत्तापूर्ण कागज़ के बड़े आकार के जिल्दबंद रजिस्टर में भी परियोजना कार्य रिपोर्ट प्रस्तुत कर सकते हैं। परियोजना कार्य के अन्तिम पृष्ठ पर कुल पृष्ठ संख्या लिखकर अपने हस्ताक्षर कीजिए। परियोजना कार्य की विद्यार्थी द्वारा स्वयं की हस्तलिपि में लिखित प्रति ही स्वीकार की जाएगी। आवश्यकता प्रतीत होने पर विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत परियोजना कार्य में लिखित हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) तथा सत्रांत परीक्षा में विद्यार्थी द्वारा उत्तर-पुस्तिका में लिखित हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) का मिलान करवाया जाएगा। दोनों की हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) में भिन्नता पाए जाने पर ऐसे परियोजना कार्य का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा। **परियोजना कार्य की कंप्यूटर टंकित प्रति अस्वीकार्य है। कंप्यूटर टंकित परियोजना कार्य का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।**

**परियोजना कार्य प्रस्तुतीकरण :-**

विद्यार्थी द्वारा तैयार की जानी वाली परियोजना कार्य का रिपोर्ट लेखन निम्नलिखित प्रारूप के अनुसार होना चाहिए :-

1. मुखपृष्ठ : परियोजना कार्य के मुखपृष्ठ पर विश्वविद्यालय का नाम एवं पता, पाठ्यक्रम का नाम, सत्र, वर्ष (प्रथम/द्वितीय), पाठ्यक्रम कोड, पाठ्यचर्या क्रमांक, पाठ्यचर्या शीर्षक, परियोजना कार्य कोड, परियोजना कार्य हेतु चयनित विषयों की सूची, विद्यार्थी का नाम, अनुक्रमांक, नामांकन संख्या, पत्राचार पता, मोबाइल नं., ई-मेल, परियोजना कार्य पर्यवेक्षक का नाम, पदनाम, पत्राचार पता, मोबाइल नं., ई-मेल, सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र का नाम एवं पता लिखा होना चाहिए। साथ ही, विद्यार्थी को दिनांक एवं स्थान के उल्लेख के साथ स्वहस्ताक्षर करने चाहिए। अहस्ताक्षरित परियोजना कार्य रिपोर्ट अस्वीकार्य है। (मुखपृष्ठ के प्रारूप हेतु देखिए : परिशिष्ट – 01)
2. द्वितीय पृष्ठ : परियोजना कार्य का द्वितीय पृष्ठ घोषणा पत्र से सम्बन्धित है जिसमें विद्यार्थी अपने कार्य की मौलिकता के विषय में स्वहस्ताक्षरित घोषणा करता है। विद्यार्थियों को निर्देशित किया जाता है कि वे संलग्नित परिशिष्ट – 02 के प्रारूपानुसार घोषणा करते हुए घोषणा पत्र में अपेक्षित सूचनाओं को परिपूर्ण एवं स्वहस्ताक्षरित कर संलग्न परियोजना कार्य रिपोर्ट के द्वितीय पृष्ठ के रूप में संलग्न करें। अहस्ताक्षरित घोषणा पत्र से युक्त परियोजना कार्य रिपोर्ट अस्वीकार्य है।
3. तृतीय पृष्ठ : परियोजना कार्य का तृतीय पृष्ठ परियोजना कार्य पर्यवेक्षक द्वारा देय हस्ताक्षरित प्रमाण-पत्र से सम्बन्धित है जिसमें परियोजना कार्य पर्यवेक्षक, जिनके निर्देशन में यह कार्य सम्पन्न किया गया है, द्वारा परियोजना कार्य की मौलिकता और निर्देशन को प्रमाणित किया जाता है। विद्यार्थियों को निर्देशित किया जाता है कि वे संलग्नित परिशिष्ट – 03 के प्रारूपानुसार स्वयं तथा परियोजना कार्य पर्यवेक्षक सम्बन्धी

अपेक्षित सूचनाओं को परिपूर्ण कर परियोजना कार्य हेतु चयनित विषयों की सूची का उल्लेख करते हुए उसे परियोजना कार्य रिपोर्ट के तृतीय पृष्ठ के रूप में संलग्न करें।

4. चतुर्थ पृष्ठ : परियोजना कार्य का चतुर्थ पृष्ठ आभार ज्ञापन से सम्बन्धित है जिसमें विद्यार्थी द्वारा परियोजना कार्य में सहयोग प्रदान करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं का आभार व्यक्त किया जाता है।
5. पंचम पृष्ठ : परियोजना कार्य का पंचम पृष्ठ अनुक्रमणिका / विषय-सूची से सम्बन्धित है जिसमें विषय-अनुक्रम की सूची के साथ ही सम्बन्धित पृष्ठ क्रमांक की जानकारी दी जाती है।
6. परियोजना कार्य रिपोर्ट लेखन का मुख्य भाग : इसके कुल आठ विभाग होंगे –

(1) भूमिका : परियोजना कार्य का पहला भाग सम्पूर्ण परियोजना कार्य की भूमिका प्रस्तुत करता है जिसमें निम्नलिखित तथ्यों का समावेश होना चाहिए :- (i) परियोजना कार्य का परिचय, (ii) परियोजना कार्य का तर्क, (iii) परियोजना कार्य का उद्देश्य, (iv) परियोजना कार्य के विषय पर पूर्व में हो चुके कार्यों का साहित्यिक पुनरावलोकन (Review of Literature), (v) परियोजना कार्य की परिकल्पना, (vi) परियोजना कार्य की शोध प्रविधि, जिसमें नमूने का आकार (Size of Sample), तथ्य-संकलन एवं विश्लेषण की विधियों का उल्लेख रहता है।

(2) प्रथम अध्याय : परियोजना कार्य का प्रथम अध्याय पाठ्यचर्या के प्रथम खण्ड – "हिन्दी की संस्कृति : संस्थाएँ" से सम्बन्धित होगा जिसमें विद्यार्थी द्वारा प्रस्तावित विषयों में से उसके द्वारा चयनित किसी एक (01) प्रचार संस्था से सम्बन्धित अपने अध्ययन की रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

(3) द्वितीय अध्याय : परियोजना कार्य का द्वितीय अध्याय पाठ्यचर्या के द्वितीय खण्ड – "हिन्दी की संस्कृति : पत्रिकाएँ" से सम्बन्धित होगा जिसमें विद्यार्थी द्वारा प्रस्तावित विषयों में से उसके द्वारा चयनित किसी एक (01) पत्र-पत्रिका से सम्बन्धित अपने अध्ययन की रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

(4) तृतीय अध्याय : परियोजना कार्य का तृतीय अध्याय पाठ्यचर्या के तृतीय खण्ड – "हिन्दी की संस्कृति : आन्दोलन" से सम्बन्धित होगा जिसमें विद्यार्थी द्वारा प्रस्तावित विषयों में से उसके द्वारा चयनित किसी एक (01) साहित्यिक आन्दोलन से सम्बन्धित अपने अध्ययन की रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

(5) चतुर्थ अध्याय : परियोजना कार्य का चतुर्थ अध्याय पाठ्यचर्या के चतुर्थ खण्ड– "हिन्दी की संस्कृति और उसका प्रसार" से सम्बन्धित होगा जिसमें विद्यार्थी द्वारा प्रस्तावित विषयों में से उसके द्वारा चयनित किसी एक (01) पुस्तकालय / साहित्यिक केन्द्र / साहित्यिक कृति पर बनने वाले सिनेमा अथवा धारावाहिक / प्रकाशक से सम्बन्धित अपने अध्ययन की रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

(6) उपसंहार : परियोजना कार्य के उपसंहार के अन्तर्गत सम्पूर्ण परियोजना कार्य के अध्यायवार निष्कर्ष प्रस्तुत करने के साथ ही सम्पूर्ण अध्ययन-अनुसंधान की निष्पत्तियाँ प्रकट की जाती हैं। एक श्रेष्ठ परियोजना कार्य रिपोर्ट प्राप्त तथ्यों का विश्लेषण करने के साथ ही महत्वपूर्ण सुझाव भी प्रस्तुत करती है, यथा – उक्त प्रचार संस्थाओं / नाट्य संस्थाओं, पत्र-पत्रिकाओं, साहित्यिक आन्दोलनों, पुस्तकालयों, विश्वविद्यालयों के हिन्दी विभागों, प्रकाशकों, साहित्यिक केन्द्रों तथा साहित्यिक कृतियों पर बनने वाले सिनेमा और टेलीविजन धारावाहिकों आदि हिन्दी की समवेत संस्कृति की स्थापना एवं विस्तार में किस प्रकार सहायक सिद्ध हुए हैं ? हिन्दी के प्रचार-प्रसार में इनकी क्या भूमिका रही ? क्या इनके अभाव में

हिन्दी के वर्तमान स्वरूप की कल्पना की जा सकती है ? वर्षों से हिन्दी की थाती को संरक्षित रखने में महती भूमिका निभाने वाले उक्त संस्थानों का अस्तित्व बनाए रखना कितना आवश्यक है ? इसके लिए कौन-कौन-से उपाय किये जा सकते हैं ? इत्यादि।

(7) सन्दर्भ-ग्रन्थ-सूची : परियोजना कार्य के "सन्दर्भ-ग्रन्थ-सूची" के अन्तर्गत सम्पूर्ण परियोजना कार्य रिपोर्ट लेखन में उद्धरित ग्रन्थों, पुस्तकों, वेबसाइट्स आदि का पूर्ण विवरण दिया जाता है।

(8) परिशिष्ट : परियोजना कार्य के "परिशिष्ट" के अन्तर्गत सम्पूर्ण परियोजना कार्य के दौरान विद्यार्थी द्वारा प्रयुक्त शोध-प्रविधियों, प्रश्नावली, अनुसूची, साक्षात्कार-सूची आदि को प्रदर्शित किया जाता है। परियोजना कार्य के दौरान विद्यार्थी द्वारा संगृहीत दुर्लभ छायाचित्र इत्यादि उल्लेखनीय सामग्री को भी परिशिष्ट के माध्यम से प्रस्तुत किया जा सकता है।

- परियोजना कार्य के अन्तिम पृष्ठ पर कुल पृष्ठ संख्या लिखकर अपने हस्ताक्षर कीजिए।

❖❖❖

**परिशिष्ट- 01**

परियोजना कार्य के मुख पृष्ठ का प्रारूप

.......................................................................................................................

›

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र – 442 001

फोन / फैक्स नं. : 07152-247146 वेबसाइट : http://hindivishwa.org/distance/

.......................................................................................................................

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र :

पाठ्यक्रम कोड : MAHD – 010

चतुर्थ सेमेस्टर

पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)

विकल्प – II

पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 24

पाठ्यचर्या का शीर्षक : परियोजना कार्य – हिन्दी की संस्कृति का विशेष अध्ययन

.......................................................................................................................

परियोजना कार्य हेतु चयनित विषयों की सूची :

खण्ड – 1 :

खण्ड – 2 :

खण्ड – 3 :

खण्ड – 4 :

.......................................................................................................................

परियोजना कार्य पर्यवेक्षक का नाम :

पर्यवेक्षक का पदनाम :

पर्यवेक्षक का पत्राचार पता :

पर्यवेक्षक का मोबाइल नं. :

पर्यवेक्षक का ई-मेल :

विद्यार्थी का नाम :

विद्यार्थी का अनुक्रमांक :

विद्यार्थी का नामांकन संख्या:

विद्यार्थी का पत्राचार पता :

विद्यार्थी का मोबाइल नं. :

विद्यार्थी का ई-मेल :

सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र का नाम एवं पता :

दिनांक:

स्थान :

विद्यार्थी के हस्ताक्षर :

**परिशिष्ट- 02**

घोषणा पत्र का प्रारूप

..............................................................................................................

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र :

पाठ्यक्रम कोड : MAHD – 010

चतुर्थ सेमेस्टर

पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)

विकल्प – II

पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 24

पाठ्यचर्या का शीर्षक : परियोजना कार्य – हिन्दी की संस्कृति का विशेष अध्ययन

..............................................................................................................

**घोषणा पत्र**

मैं, (विद्यार्थी का नाम) पुत्र/पुत्री श्रीमती/श्री (माता/पिता का नाम) एतद् द्वारा यह घोषणा करती/करता हूँ कि दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा संचालित एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र : , पाठ्यक्रम कोड : MAHD – 010, चतुर्थ सेमेस्टर, पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक) विकल्प – II पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 24, पाठ्यचर्या का शीर्षक : परियोजना कार्य – "हिन्दी की संस्कृति का विशेष अध्ययन" के परियोजना कार्य से सम्बन्धित मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत यह परियोजना कार्य रिपोर्ट मेरे द्वारा सम्पन्न मौलिक कार्य है। मैं यह घोषणा भी करती/करता हूँ कि प्रस्तुत परियोजना कार्य रिपोर्ट आज से पूर्व किसी भी विश्वविद्यालय या संस्थान में मेरे अथवा किसी अन्य के द्वारा अंशतः अथवा पूर्णरूप में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

..............................................................................................................

विद्यार्थी का नाम :

विद्यार्थी का अनुक्रमांक :

विद्यार्थी का नामांकन क्रमांक:

विद्यार्थी का पत्राचार पता :

विद्यार्थी का मोबाइल नं. :

विद्यार्थी का ई-मेल :

सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र का नाम एवं पता :

दिनांक :

स्थान : विद्यार्थी के हस्ताक्षर :

**परिशिष्ट- 03**

पर्यवेक्षक द्वारा देय प्रमाण पत्र का प्रारूप
एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र :
पाठ्यक्रम कोड : MAHD – 010
चतुर्थ सेमेस्टर
पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)
विकल्प – II
पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 24
पाठ्यचर्या का शीर्षक : परियोजना कार्य – हिन्दी की संस्कृति का विशेष अध्ययन

**प्रमाण पत्र**

प्रमाणित किया जाता है कि दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा संचालित एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम कोड : MAHD – 010, सत्र : के चतुर्थ सेमेस्टर की/के विद्यार्थी श्रीमती/ कुमारी/ सुश्री/ श्री (विद्यार्थी का नाम) पुत्र/ पुत्री श्रीमती/ श्री (माता/ पिता का नाम) ने एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम, सत्र : के चतुर्थ सेमेस्टर की परियोजना कार्य से सम्बन्धित पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक) विकल्प – II पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 24, पाठ्यचर्या का शीर्षक : परियोजना कार्य – "हिन्दी की संस्कृति का विशेष अध्ययन" हेतु प्रस्तुत परियोजना कार्य मेरे पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में सम्पन्न किया है। मेरी ज्ञात जानकारी के अनुसार यह इनका मौलिक कार्य है। परियोजना कार्य हेतु इनके द्वारा चयनित विषय निम्नलिखित हैं –

परियोजना कार्य हेतु चयनित विषयों की सूची :
खण्ड – 1 :
खण्ड – 2 :
खण्ड – 3 :
खण्ड – 4 :

..........................................................................................................

परियोजना कार्य पर्यवेक्षक का नाम :
पर्यवेक्षक का पदनाम :
पर्यवेक्षक का पत्राचार पता :
पर्यवेक्षक का मोबाइल नं. :
पर्यवेक्षक का ई-मेल :

विद्यार्थी का नाम :
विद्यार्थी का अनुक्रमांक :
विद्यार्थी का नामांकन क्रमांक:
विद्यार्थी का पत्राचार पता :
विद्यार्थी का मोबाइल नं. :
विद्यार्थी का ई-मेल :

विद्यार्थी के अध्ययन केन्द्र का नाम एवं पता :
दिनांक:
स्थान :

पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर :